महाराष्ट्र में लुंज पुंज कानून व्यवस्था, संत भी नहीं हैं सुरक्षित

[illegible]।

प्रदेश में अराजकतत्वों को सरकार का डर नहीं-अमरजीत मिश्र

मुंबई बीजेपी के महामंत्री अमरजीत मिश्र ने महाराष्ट्र में ध्वस्त होती कानून व्यवस्था पर गहरी चिंता व्यक्त की है। परसों पंच दशनाम जूना आखाडा के ब्रह्मलीन संत की समाधि क्रिया से लौट रहे दो संत समेत उनके ड्राईवर को पालघर में कुछ असामाजिकतत्वों ने पीट पीट कर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस की उपस्थिति में हुए इस कृत्य के दौरान पुलिस मूक दर्शक बनी रही। महाराष्ट्र जैसे विकसित राज्य में पुलिस की मौजूदगी में हुए इस कृत्य की जितनी भी निंदा की जाये,कम है।

ॐ

!! श्री गुरु दत्तात्रेयो विजयतेतराम !!

फोन – 0542–2275701

श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा

मुख्यालय–बड़ा हनुमान घाट, वाराणसी (उ.प्र.)

(रजि. एक्ट 21, सन् 1860 के अन्तगर्त पंजीकृत)

मुख्य शाखा – श्री पंचदशनाम जूना (भैरव) अखाड़ा हरिद्वार–उत्तराखण्ड फोन – 01334–227903	श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा श्री दत्त अखाड़ा उज्जैन (म0प्र0) फोन – 0734–2584066	श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा नीलगिरी पर्वत, त्रयंबकेश्वर नासिक (महाराष्ट्र) फोन – 02594–233019	श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा सिद्ध बाबा मौजगिरी समाधि, कीटगंज, जमुना बैंक रोड, प्रयागराज (उ0प्र0)

सेवा में,

श्री उद्धव ठाकरे जी,
मा0 मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र।

महोदय,

निवेदन है कि 16 अप्रैल 2020 को श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के संत कल्पवृक्ष गिरि, उम्र–70 वर्ष, सुशील गिरि, उम्र–35 वर्ष,कार से ड्राइवर निलेश तेलगड़े के साथ अपने गुरू श्रीमहन्त रामगिरि जी की अचानक मौत के कारण उनके अन्तिम संस्कार में शामिल होने के लिए मुम्बई से गुजरात के लिए निकले थे।

जिला पालघर(महाराष्ट्र) के थाना कासा क्षेत्र के गढ़चिंचले गांव के पास लॉकडाउन होने के बावजूद पहले से मौजूद लगभग 200 लोगों ने संतों की कार को रोककर पलट दिया और फिर उन पर जमकर पथराव किया। इसी दौरान एक वन विभाग के कर्मचारी ने रात्रि 11.00 बजे थाना कासा को घटना की जानकारी दे दी। पुलिस ने संतों और ड्राइवर को अपनी कस्टडी में लेकर जीप में बैठाया, लेकिन इन उपद्रवियों ने पुलिस की मौजूदगी में तीनों को लाठी, डंडे, राड, चाकू से पीट–पीट कर बेरहमी से मार डाला और पुलिस मूक दर्शक बनी रही। इन उपद्रवियों ने संतों के पचास हजार रूपये और साथ में भगवान के सोने के श्रृंगार का सामान भी लूट लिया।

सवाल ये उठता है कि पुलिस ने इन तीनों के बचाव के लिए हवाई फायरिंग क्यों नहीं की, जबकि यह तीनों पुलिस कस्टडी में थे। ऐसे में पुलिस की सत्यनिष्ठा भी संदिग्ध है। कासा पुलिस स्टेशन में इस मामले की एफ0आई0आर0 संख्या–77/2020 धारा 302,120बी,427, 147,148,149 भादवि दर्ज हुई है।

जूना अखाड़े के संतों में इस घटना को लेकर काफी आक्रोश है। अतः आपसे प्रार्थना है कि इस घटना की उच्चस्तरीय जॉच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाये।

श्रीमहन्त प्रेम गिरि

भवदीय

श्रीमहन्त प्रेम गिरि,
अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष,
श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा।

श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा संरक्षक

श्री मिश्र ने मांग की है कि इस मामले में शामिल दोषी लोगों को सख्त सजा दी जानी चाहिये व इसके

पीछे की साजिश का भी पर्दाफाश होना चाहिये।और मामले की गंभीरता को न समझनेवाले पुलिसकर्मियों को भी बर्खास्त करना चाहिये।यह अफसोसजनक है कि पुलिस वालों के सामने, डंडे और पत्थरों से मार-मार कर दोनों सन्तों और ड्राइवर की भी हत्या कर दी।विडियो देखने के बाद ऐसा लगता है कि संतों को निर्ममता से पीट रहे गुंडों के सामने पुलिस ने घुटने टेंक दिए थे।भाजपा नेता मिश्र ने कहा कि अभी कुछ दिनों पहले ही लॉकडाउन व कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाते हुए हजारों लोग बांद्रा में जुट गए थे।तब भी सरकार मूकदर्शक बनी रही।